निबंध एवं अपठित गद्यांश

प्रश्न-पत्र में तीन खंड होंगे

प्रथम खंड

(अपठित गद्यांश)

1. (अ) प्रस्तुत अवतरण के आधार पर दिये गये क्रमांक **01** से **05** तक सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये । **5 × 2 = 10**

गद्यांश

हमारी धरती ने बापू को जन्म दिया । किन्तु इस धरती को यह सौभाग्य न हुआ कि जो महापुरुष देश की पराधीनता की बेड़ियाँ काटे और देश की प्रतिष्ठा को संसार में ऊँचा ले जाये, वह अपने द्वारा प्रतिष्ठापित स्वतंत्र राष्ट्र में जीवित रहकर विश्वशांति और विश्वबंधुत्व का अपना स्वप्न पूरा कर सके । महात्मा जी को इससे अच्छी मृत्यु और क्या मिल सकती थी कि मानवता की रक्षा करते हुये उन्होंने अपने प्राण दिये ?

(1) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखें ।

(2) महात्मा जी ने हमारे लिये क्या किया ?

(3) उनकी मृत्यु कैसे हुई ?

(4) क्या महात्मा जी विश्वशांति और विश्वबंधुत्व का सपना पूरा कर सके ?

(5) रेखांकित शब्दों के अर्थ लिखिये ।

(ब) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर दिये गये क्रमांक **01** से **05** तक सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये । **5 × 2 = 10**

गद्यांश

साहित्योन्नति के साधनों में पुस्तकालयों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है । इनके द्वारा साहित्य के जीवन की रक्षा, पुष्टि और अभिवृद्धि होती है । पुस्तकालय सभ्यता के इतिहास का जीता जागता गवाह है । इसी के बल पर वर्तमान भारत को अपने अतीत गौरव पर गर्व है । पुस्तकालय भारत के लिये कोई नयी वस्तु नहीं है । लिपि के आविष्कार से आज

Scanned by CamScanner

तक लोग निरंतर पुस्तकों का संग्रह करते रहे हैं । पहले देवालय, विद्यालय और न्यायालय इन संग्रहों के प्रमुख स्थान होते थे । इनके अतिरिक्त विद्वद्‌जनों के अपने निजी पुस्तकालय भी होते थे । मुद्रण कला के आविष्कार से पूर्व पुस्तकों का संग्रह करना आजकल की तरह सरल बात न थी । आजकल साधारण स्थिति के पुस्तकालयों में जितनी सम्पत्ति लगती है, उतनी उन दिनों कभी-कभी एक-एक पुस्तक की तैयारी में लग जाया करती थी । भारत के पुस्तकालय संसार भर में अपना महत्त्व सिद्ध कर चुके थे । प्राचीनकाल से मुगल सम्राटों के समय तक यही स्थिति रही । चीन, फारस प्रभृति सुदूर स्थित देशों से झुण्ड के झुण्ड विद्यानुरागी लम्बी यात्राएँ करके भारत आया करते थे ।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखें ।

(2) पुस्तकालयों के कारण भारत को क्या गौरव प्राप्त था ?

(3) पुराने समय में अधिक व्यय क्यों हो जाता था ?

(4) साहित्य की उन्नति का सबसे अधिक प्रभावपूर्ण साधन क्या है ?

(5) पुस्तकालय का प्रारंभ कब से हुआ ? पहले पुस्तकालय किन-किन स्थानों पर हुआ करते थे ?

अथवा

(अ) प्रस्तुत अवतरण के आधार पर दिये गये क्रमांक **01** से **05** तक सभी प्रश्नों के उत्तर लिखें । चार विकल्पों में से सही उत्तर का चयन करें । **$5 \times 2 = 10$**

गद्यांश

वास्तव में हृदय वही है जो कोमल भावों और स्वदेश प्रेम से ओतप्रोत हो । प्रत्येक देशवासी को अपने वतन से प्रेम होता है, चाहे उसका देश सूखा, गर्म या दलदलों से युक्त हो । देश प्रेम के लिये किसी आकर्षण की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि वह तो अपनी भूमि के प्रति मनुष्य मात्र की स्वाभाविक ममता है । मानव ही नहीं, पशु-पक्षियों तक को अपना देश प्यारा होता है । संध्या समय पक्षी अपने नीड़ की ओर उड़े चले जाते हैं । देश प्रेम का अंकुर सभी में विद्यमान है । कुछ लोग समझते हैं कि मातृभूमि के नारे लगाने से ही देश प्रेम व्यक्त होता है । दिन भर वे त्याग, बलिदान और वीरता की कथा सुनाते नहीं थकते, लेकिन परीक्षा की घड़ी आने पर भाग खड़े होते हैं । ऐसे लोग स्वार्थ त्याग कर, जान जोखिम में डालकर देश की सेवा क्या करेंगे ? आज ऐसे लोगों की आवश्यकता नहीं है ।

Scanned by CamScanner

(1) देश प्रेम का अंकुर विद्यमान है -

(अ) सभी प्राणियों में

(ब) सभी मानवों में

(स) सभी पक्षियों में

(द) सभी पशुओं में

(2) सच्चा देश प्रेमी -

(अ) वीर सपूतों की कहानियाँ सुनाता है ।

(ब) मातृभूमि का जयघोष करता है ।

(स) परीक्षा की कसौटी पर खरा उतरता है ।

(द) अपनी भूमि देश के लिये दान कर देता है ।

(3) देश प्रेम का अभिप्राय है -

(अ) देश के प्रति कोमल भावों का उदय ।

(ब) अनथक प्रयत्न करके देश का निर्माण करना ।

(स) देश हित के लिये शत्रु से संघर्ष करना ।

(द) देश के लिये व्यक्तिगत स्वाभाविक ममत्व ।

(4) संध्या समय पक्षी अपने घोंसलों में वापस चले आते हैं क्योंकि -

(अ) दिनभर घूमकर वे थक जाते हैं ।

(ब) उन्हें रात को आराम करना है ।

(स) जानवर भी अपने निवास स्थान को चले आते हैं ।

(द) उन्हें अपना नीड़ प्यारा होता है ।

(5) वही देश महान है जहाँ के लोग -

(अ) शिक्षित और प्रशिक्षित हैं ।

(ब) बेरोजगार और निरुद्यमी नहीं हैं ।

(स) कृषि और व्यापार से धनार्जन करते हैं ।

(द) त्याग और उत्सर्ग में सदा आगे रहते हैं ।

Scanned by CamScanner

(ब) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर दिये गये क्रमांक 01 से 05 तक सभी प्रश्नों के उत्तर दें । दिये गये चार विकल्पों में से सही उत्तर लिखें ।

5 × 2 = 10

गद्यांश

विचार-विनिमय के लिये केवल मनुष्य को ही वाणी का वरदान प्राप्त है । पशु-पक्षी अपने भाव और विचार शारीरिक मुद्राओं और संकेतों द्वारा प्रकट करते हैं । वाणी के अनेक रूप हैं जो भाषा या बोली कहलाते हैं । प्राय: सभी स्वतंत्र देशों की अपनी-अपनी भाषाएँ हैं । उनके साथ स्थानीय बोलियाँ भी हैं, जो भाषा का ही प्रादेशिक रूप हैं । सबसे अधिक सुगम, सरल और स्वाभाविक भाषा मातृभाषा कहलाती है । यह बालक को जन्म-जात संस्कार से मिलती है । अन्य भाषाएँ अर्जित भाषाएँ होती हैं । ये अभ्यास द्वारा सीखी जाती हैं । अपने घर, परिवार, वर्ग, जाति और देश के मध्य विचार-विनिमय के लिये सबसे सरल भाषा मातृभाषा ही है । अपनी मातृभाषा द्वारा जितनी सहजता से भाव व्यक्त किया जा सकता है, वैसा सहज सामर्थ्य किसी अन्य अर्जित भाषा में नहीं होता । राष्ट्र की एकता और पारस्परिक विचार-विनिमय की सुविधा के लिये राष्ट्रभाषा की आवश्यकता में किसी को भी संदेह नहीं हो सकता । सभी राष्ट्र अपनी राष्ट्रभाषा को सम्मान देते हैं और व्यवहार में लाते हैं । स्वतंत्र भारत में भी हमें अपने राष्ट्र की भावनाओं को अपनाना चाहिये । राष्ट्रीय गौरव और स्वाभिमान के लिये यह आवश्यक है ।

(1) राष्ट्रभाषा का महत्त्व इस तथ्य में निहित है कि वह -

(अ) राष्ट्र को खंडित करने में सहायक होती है ।

(ब) राष्ट्रीय एकता की घोतक है ।

(स) राष्ट्रीय शक्तियों को दृढ़ करती है ।

(द) जातीय विकास में सहायक है ।

(2) राष्ट्र का गौरव सुरक्षित रह सकता है -

(अ) भाषायी विवादों को प्रश्रय देने से ।

(ब) विदेशी भाषाओं को अपनाने से ।

(स) स्वभाषाओं को ग्रहण करने से ।

(द) राष्ट्रभाषा का विरोध करने से ।

Scanned by CamScanner

(3) भाषा द्वारा भावाभिव्यक्ति करने में समर्थ होते हैं -

(अ) चहचहाते पक्षी

(ब) वाणी का वरदान प्राप्त मनुष्य

(स) कलकल बहता पानी

(द) विभिन्न प्रकार के पशु

(4) मातृभाषा वह भाषा रूप है जो -

(अ) सर्वाधिक ग्राह्य, लचीला और स्वाभाविक है ।

(ब) कठोर, निरर्थक और दुरूह है ।

(स) मस्तिष्क का विकास अवरुद्ध करता है ।

(द) ज्ञान क्षेत्र को सीमित करता है ।

(5) मातृभाषा की हमें आवश्यकता होती है, क्योंकि वह -

(अ) धनोपार्जन में सहायक होती है ।

(ब) भावाभिव्यक्ति का सहज साधन है ।

(स) शारीरिक मुद्राओं और संकेतों का दर्पण है ।

(द) ज्ञान क्षेत्र का संकुचन करती है ।

द्वितीय खंड

(निबंध)

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग **500** शब्दों में निबंध लिखिये : **30**

(अ) वृद्धावस्था की समस्यायें एवं समाधान ।

(ब) समाज निर्माण में समाचार-पत्रों की भूमिका ।

(स) नारी ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है ।

(द) सिनेमा का परिवर्तित स्वरूप ।

PESTEL

Scanned by CamScanner

तृतीय खंड

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग **1000 (एक हजार)** शब्दों में निबंध लिखें : **50**

(अ) पर्यावरण प्रदूषण : कारण और निवारण ।

(ब) विश्व के सर्वश्रेष्ठ कवि तुलसीदास ।

(स) महिला सशक्तीकरण : समस्यायें और चुनौतियाँ ।

(द) कम्प्यूटर से लाभ और हानियाँ ।

Scanned by CamScanner